

एक बार की गई गलती दुबारा रिपीट न हो



डॉ. उषा, वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

बाबा ने कहा है कि मुझे सच बताओगे तो आधा पाप माफ हो जायेगा। तो अभी जब बाबा साकार में नहीं हैं और निमित्त को भी नहीं बता सकते तो बाबा को लिखकर बताने से क्या पाप माफ हो जायेंगे?

देखो बाबा ने कहा है, इस मुरली के अन्दर श्रीमत है कि बच्चे बचपन से लेकर अब तक आप अपनी हर गलती को जानते हो कौन-कौन से विकर्म हुए, पाप कर्म हुए वो जानते हो। पिछले जन्म का तो भूल नहीं जानते हो, इस जन्म का तो सबकुछ मालूम है। अब साकार में बाबा होते थे तो उनको सुना देते थे, वो बात अलग थी। अभी अगर मान लो आप निमित्त को भी बताना नहीं चाहते हैं इसीलिए कहीं ऐसा न हो कि उनका दृष्टिकोण मेरे प्रति बदल जाये। तो कोई बात नहीं बाबा ने तो श्रीमत दी हुई है कि बच्चे लिखकर आप दे दो। लेकिन ऐसा नहीं कि बार-बार वो गलती करते रहें। और बार-बार बाबा ने कहा है कि इसलिए लिखकर देते रहें। ये नहीं चलेगा। उससे माफ नहीं होगा। मातेश्वरी जी हमेशा कहते थे कि पुरुषार्थ उसको कहा जाता है कि जो

गलती हो गई वो दुबारा रिपीट नहीं होनी चाहिए। तब कहेंगे कि हाँ मैंने पुरुषार्थ किया। अगर मेरे से बार-बार वो गलती होती जाती है तो फिर मैंने पुरुषार्थ क्या किया! पुरुषार्थ तो किया ही नहीं। तो जिस चीज का पुरुषार्थ ही नहीं है उसमें भगवान भी कैसे रियायत दे सकते हैं।

तो इसीलिए मान लो आपने रियलाइज किया मेरी ये गलती है और ये गलती दुबारा नहीं होनी चाहिए तो आप बाबा को पूरी सिचुएशन को लिखकर दो, और फिर दृढ़ संकल्प भी करो बाबा के सामने कि बाबा मैं प्रॉमिस करता हूँ, आगे से दुबारा ये गलती रिपीट नहीं होगी। तब जाकर जो लिखा है उसमें आधा माफ हो सकता है। लेकिन

मातेश्वरी जी हमेशा कहते थे कि पुरुषार्थ उसको कहा जाता है कि जो गलती हो गई वो दुबारा रिपीट नहीं होनी चाहिए।

उसके बाद सचमुच परीक्षा आयेगी। क्योंकि माया भी देखती तो है ना! तो इसीलिए परीक्षा आयेगी। और फेल हो गये तो फिर वो लिखा हुआ आधा माफ नहीं होगा। क्योंकि वापस उसके वश हो गये। तो इसीलिए जब लिखकर दो, प्रॉमिस करो साथ में और माया टेस्ट करने आयेगी। लेकिन उस समय इतना जागृत हो जाओ कि ये माया आई ही है मेरी परीक्षा लेने के लिए और बाबा केसामने मैंने ये दृढ़ संकल्प किया है तो अब मुझे उसके वश नहीं होना है। तब जाकर बाबा फिर माफ करेगा।

क्योंकि बाबा भो कहते हैं कि माया मेरी आज्ञाकारी बच्ची है। मैं माया को कहता हूँ कि जाओ देखो बच्चे ने दृढ़ संकल्प तो किया है, प्रॉमिस किया है तो देखो ये प्रॉमिस रखता है या नहीं। तो इसीलिए माया दो-चार दिन में ही आयेगी। तो जैसे ही आयेगी हमें माया को अच्छी तरह से पहचानना है। और उसके परवश नहीं होना है। अगर पास कर दिया तो उसके बाद बाबा माफ करेगा। तब तक नहीं।

इसीलिए कहा बाबा को लिखकर दो। बाबा को जब लिखकर देते हैं तो जब मधुवन आते हो, मधुवन में बाबा के कमरे में एक भण्डारी में जिसमें बाबा के नाम पत्र डालते हैं, उसमें डाल दो। फिर आपका मन भी नहीं खायेंगा। आपने बाबा के घर में स्वाहा कर दिया। उस कमजोरी ने आपके यहाँ से विदाई ले ली। इसलिए बाबा के कमरे में आप सोचेंगे कि यहाँ कोई पढ़ेगा! यहाँ कोई किसी के पास पढ़ने का टाइम नहीं है। इतने सारे पत्र रोज के पेटी भरके निकलते हैं कौन बैट के पढ़ेगा, कौन पढ़कर अपने अन्दर समाना चाहेगा। बिल्कुल नहीं, वो सारे पत्र जो बाबा के नाम होते हैं उनको कोई नहीं पढ़ता है और उसको सीधा जाकर बाँयलर में जला दिया जाता है। और वो जल गई तो वो कमजोरी आपके जीवन में से भी जल गई, ये समझ लो। फिर आप निश्चित हो जायें, हल्के हो जायें। तो इसीलिए बाबा को ये प्रॉमिस जरूर करेंगे कि ये दुबारा नहीं करेंगे। जैसे ही माया की परीक्षा आये तो बस दृढ़ संकल्प के साथ उस पर जीत पानी है। तब जा करके यह आधा माफ हो सकता है।



सोनीपत-हरियाणा। दीपावली एवं भाई दूज के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक सुरेन्द्र पवार को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. प्रमोद बहन। इस मौके पर प्रतिष्ठित व्यापारी एवं समाजसेवी विजय नासा एवं डिस्ट्रिक्ट एजुकेशन ऑफिसर बहन प्रोमिला जी भी उपस्थित रहे।



पणजी-गोवा। ब्रह्माकुमारीज के खेल प्रभाग एवं फिजिकल एजुकेशन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया द्वारा भारतीय स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव के अंतर्गत कोविड-19 के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य को लेकर आयोजित बाइक रैली के उद्घाटन अवसर पर सम्बोधित करते हुए प्रसिद्ध भारतीय टेनिस प्लेयर लिपेंडर पेस। साथ है ब्र.कु. जगवीर, मुख्यालय संयोजक, खेल प्रभाग, ब्रह्माकुमारीज, मा. आबू, ब्र.कु. शोभा बहन, स्थानीय संचालिका, ब्रह्माकुमारीज तथा अन्य।



सिकन्दरबाद-हैदराबाद (तेलंगाना)। साइलेंट रिट्रीट सेंटर में चारघाम तथा शाश्वत योगिक खेती रोपवाटिका के उद्घाटन परचात पौधशाला में लगाए गए विभिन्न प्रकार की सब्जियों के पौधों का अक्लोकन करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी। इस अवसर पर माउण्ट आबू से आये राजयोगी ब्र.कु. करुणा भाई एवं ब्र.कु. श्रीनिवास भाई ने सभी किसान भाइयों को अपनी शुभकामनाएं दीं। नांदेड़ के ब्र.कु. बाबू भाई ने उपस्थित सभी किसान भाइयों को योगिक खेती हेतु जमीन को उपजाऊ और उसकी उर्वरा शक्ति बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण दिया तथा योगिक खेती का मॉडल बनाने के लिए भाइयों को प्रेरित किया। ब्र.कु. सुनीता दीदी, ब्र.कु. राजू दीदी, ब्र.कु. सविता दीदी, वरंगल सहित अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें इस मौके पर उपस्थित रहे।



ओ.आर.सी.-गुरुग्राम। ब्रह्माकुमारीज नार्थ इंडियाज फरीदाबाद आई.टी. विंग द्वारा आई.टी. विंग के आजीवन सदस्यों के लिए आयोजित त्रिदिवसीय ज्वालामुखी योग भट्टी कार्यक्रम में शरीक हुए के.जे.ला. मोहम्मद, एक्टिंग एम्बेसडर, युगांडा, हाई कमिशन, बी.वेकर, एजुकेशन अटार्श, युगांडा हाई कमिशन, ब्र.कु. रमा, दिल्ली जून आई.टी. विंग कोऑर्डिनेटर, ब्र.कु. संजीव, नार्थ इंडियाज आई.टी. विंग कोऑर्डिनेटर, प्रिया कौशल, स्पेशल एन्वॉय, ह्यूमैनिटी एम्बेसडर ऑफ वर्ल्ड ह्यूमैनिटी कमिशन, फ्लोरिडा, यू.एस.ए., ब्र.कु. योगेश पी. सिंह, अंडर सेक्रेटरी मिनिस्ट्री ऑफ डिफेन्स, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया, ब्र.कु. डॉ. निर्मला दीदी, चेंयरपर्सन, आई.टी. विंग, ब्र.कु. बृजमोहन, एडिशनल सेक्रेटरी जनरल, ब्रह्माकुमारीज, ब्र.कु. आशा दीदी, डायरेक्टर, ओ.आर.सी., ब्र.कु. लक्ष्मी, लॉरेन्स रोड, दिल्ली, ब्र.कु. शिवानी, मोटिवेशनल स्प्रीकर, ब्र.कु. निशा, ब्र.कु. विद्याज्ञी तथा अन्य आई.टी. मेम्बर्स।



झाबुआ-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज एवं जैन समाज के संयुक्त तत्वाधान में थॉटला में आयोजित 'जोड़ों का दर्द निदान शिविर' के उद्घाटन परचात ईश्वरीय स्मृति में जैन श्रीसंघ अध्यक्ष जितेन्द्र घोडावत, बोहरा समाज अध्यक्ष अली हुसैन नाकेदार, उमेश पिचचा, डॉ. राजू भाई, ब्रह्मदेव, समाजसेवी सुनीता पवार, श्याम भाई, नरेश भाई, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. जयंती बहन तथा अन्य।



धमतरी-छ.ग.। सड़क दुर्घटना में पीड़ित एवं जान गंवाने वालों की स्मृति में विश्व यादगार दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में ब्र.डॉ.जलि अर्पित करते हुए डॉ. सरिता दोशी, अध्यक्ष, सार्थक संस्था, उषा गुप्ता, संचालिका, लेडोउ क्लब धमतरी, रात्रुष्ण पाण्डेय, पुलिस उप निरीक्षक, यशवंत साहू, अधिवक्ता, ब्र.कु. सरिता बहन, ब्र.कु. नवनीता बहन तथा अन्य भाई-बहनें।

ओम शान्ति मीडिया सदस्यता हेतु संपर्क करें....

कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया
 गणपत - ब्र.कु. गणपत, ब्रह्माकुमारीज, श्रान्तिवन, काहटी,
 पोस्ट बॉक्स नं - 5, आबू रोड (सर.) 307510
 संपर्क - M- 9414006096, 9414182088,
 Email-omshantimedia@bkliv.org

सदस्यता शुल्क - वार्षिक 200 रुपये, त्रैमासिक 100 रुपये
 कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम से बैंक अकाउंट में भेजें।
 बैंक द्वारा (पोस्टल एंड बैंक) द्वारा भेजें।

For Online Transfer

BANK NAME:- STATE BANK OF INDIA(SBI)
 ACCOUNT NO:- 30826987041
 ACCOUNT NAME:- OM SHANTI MEDIA
 IFSC - CODE - SBIN0010636
 BRANCH:- Prajapita Brahmakumaris Ishwariya
 Vishwa Vidhyalya,Shantivan

Note:- After Transfer send detail on E-Mail-omshanti-media.acct@bkliv.org or
 Whatsapp, Telegram No.- 9414172087

ALL-IN-ONE QR

Paytm
 Accepted Here
 (WALLET/KYC NOT REQUIRED)

Scan & Pay using Paytm App

WhatsApp Bank A/c Any Debit or Credit Card Paytm Postpaid

SHIM LPO